JVC

जनमुख

अक्षय तृतीया परिशिष्ट 2026

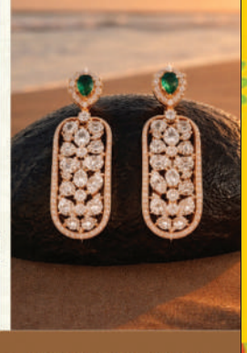

व्यापार चक्र

अक्षय तृतीया

जिस घर में होते हैं ये काम, महालक्ष्मी बनाए रखती हैं वहां के ठाठ-बाट

शास्त्रानुसार अक्षय तृतीया को अनंत-अक्षय-अक्षुण्ण फलदायक माना गया है। इस दिन महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए भी विशेष अनुष्ठान होता हैं, जिससे अक्षय पुण्य मिलता है। इस दिन दान एवं उपवास करने का हजार गुना फल मिलता है। अक्षय तृतीया के दिन महालक्ष्मी की साधना विशेष लाभकारी एवं फलदायक सिद्ध होती है। सुबह उठकर नित्यकर्म से निवृत होने के बाड़ शांत चित्त होकर विधि-विधान से लक्ष्मी नारायण की पूजा सफेद और पीले फूलों से करने पर हर मनोकामना पूर्ण होती है।

शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन स्वर्ण, भूमि, पंखा, जल, सत्तू, जौ, छाता, वस्त्र कुछ भी दान कर सकते हैं। जौ दान करने से स्वर्ण दान का फल प्राप्त होता है।

अक्षय तृतीया के दिन सोने-चांदी की चीजें खरीदी जाती हैं। मान्यता है कि उनसे बरकत आती है। यदि आप भी बरकत चाहते हैं तो इस दिन सोने या चांदी की लक्ष्मी की चरण पादुका लाकर घर में रखें और इसकी नियमित पूजा करें क्योंकि जहां लक्ष्मी के चरण पड़ते हैं, वहां अभाव नहीं रहता। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित की जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

-महिलाएं इस दिन शिव मंदिर जाकर गले में लाल धागा और माथे पर सिंदूर लगाकर पति की लम्बी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं।

-कोई व्यक्ति लम्बे समय से बीमार चल रहा हो तो उसके तकिए के नीचे नीम की पत्तियां रख कर उन्हें इस दिन शिव मंदिर में चढ़ाने से लाभ मिलता है।

-शाम को गाय के घी का दीपक घर के ईशान कोण में जलाएं और दीपक में रूई की जगह पर लाल रंग के धागे का उपयोग करें और दीपक में थोड़ा केसर भी डालें।

-एक पीला कपड़ा लेकर उसमें पांच लक्ष्मी (पीली) कौड़ी और थोड़ा-सा केसर, चांदी के सिक्के डालें और ये सब बांध कर धन के स्थान पर रख दें।

-3 कुंवारी कन्याओं को घर बुलाकर उन्हें खीर खिलाएं तथा उन्हें वस्त्र और दक्षिणा दें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन प्राप्ति होती है।

-अगर कोई भक्त गरीबों को दान करता है तो उसे धन के रूप में आशीर्वाद मिलता है। गरीबों में सफेद रंग की वस्तु या खाद्य पदार्थ दान करें तो बहुत शुभ रहता है।

-भगवान विष्णु का दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर अभिषेक करें। अगर यह अभिषेक मन से किया जाए तो मां लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती हैं और आपको धन से मालामाल कर देती हैं।

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार, अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल,
सभापति
श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष
अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन, अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'
समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा
फोन : 0542-2500324 9336929544
Email : janmukh.vns@gmail.com
जनमुख हिन्दी दैनिक के लिए निःशुल्क प्रकाशित

सरोज सिनहा
समाचार सम्पादक

सम्पादकीय

अक्षय तृतीया की सार्थकता

अक्षय तृतीया सिर्फ एक त्योहार ही नहीं, बल्कि समृद्धि, शुभता और सकारात्मक शुरूआत का प्रतीक है। इस दिन किए गए अच्छे कर्म और लिए गए निर्णय जीवन में स्थायी सुख और सफलता लाने वाले माने जाते हैं। यह हर वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इसीलिए इस दिन को अक्षय तृतीया कहा जाता है। जिसका अर्थ है जो कभी भी समाप्त न हो। इस पर्व की धार्मिक प्रासंगिकता सिर्फ धार्मिक आस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका गहरा सम्बन्ध समाज, अर्थव्यवस्था और जीवन शैली से भी जुड़ा है। यहां तक कि यह प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत् जीवन शैली का प्रतीक है। इसलिए यह सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, समृद्ध और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाने का अवसर है और नये कार्यों के सकारात्मक शुरूआत का प्रतीक है। इस पर्व से जुड़े धार्मिक प्रासंगिकता की बात करें तो इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार भगवान परशुराम का भी जन्म हुआ था। महाभारत के अनुसार पांडवों को अक्षय पात्र इसी दिन प्राप्त हुआ था। इसी दिन गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। हाल के वर्षों में इस पर्व का आर्थिक एवं सामाजिक महत्व भी बढ़ता जा रहा है। इस दिन सोना-चांदी खरीदना अत्यन्त शुभ माना जाता है। क्योंकि यह समृद्धि का प्रतीक है। वहीं नया व्यवसाय, निवेश या काम शुरू करने के लिए यह मुहुर्त शुभ है। सिर्फ इतना ही नहीं, इस दिन गरीबों को भोजन कराना, चप्पल दान करना, पानी के लिए प्याऊं लगाना, पंखा व घड़ा दान करना इस पर्व को मानवीय बनाते हैं। कुल मिलाकर अक्षय तृतीया की असली प्रासंगिकता केवल सोना खरीदने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सत्कर्म, दान और सकारात्मक शुरूआत का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रेरणा देता है कि जो भी अच्छा कार्य हम आज करेंगे उसका फल लंबे समय तक समाज और जीवन में 'अक्षय' बना रहेगा। इसलिए इस पावन पर्व अक्षय तृतीया प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाएं, निवेश करें और अर्थव्यवस्था को गति दें। प्रकृति और लोगों से जुड़ाव मजबूत करें और नये कार्यों की शुरूआत करें। तभी पर्व की सार्थकता सही मायने में सफल होगी।

अक्षय तृतीया पर सभी को सुमंगल कार्यों के लिए बधाई।

सरोज सिन्हा

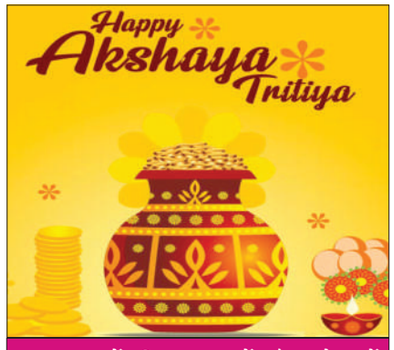

समस्त पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभेच्छुओं को जनमुख परिवार की ओर हार्दिक शुभकामनाएं।
प्रबंधक

स्वर्णाव्या
अन्नपूर्णा ज्वैलर्स प्रा. लि.
गोल्ड ज्वेलरी पर मात्र
3%
मेकिंग चार्जेस!
1st Year
ANNIVERSARY
रथयात्रा, महमूरगंज, वाराणसी
+91 89220 29059

अक्षय तृतीया पर गजकेसरी योग से इन 3 राशियों की चमकेगी किस्मत, धन-संपत्ति में होगी जबरदस्त बढ़ोतरी

2026 अक्षय तृतीया 2026: इस साल की अक्षय तृतीया पर बन रहा गजकेसरी योग कई लोगों के लिए जीवन बदलने वाला साबित हो सकता है। खासकर मेष, तुला और धनु राशि वालों के लिए यह समय धन, करियर और खुशियों से भरा रहेगा।

कब है अक्षय तृतीया?

इस वर्ष अक्षय तृतीया का पावन पर्व 19 अप्रैल 2026 को मनाया जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह दिन अत्यंत शुभ माना जाता है, और इस बार इसका महत्व और भी बढ़ गया है।

क्यों खास है इस बार की अक्षय तृतीया?

इस दिन चंद्रमा और गुरु (बृहस्पति) की विशेष स्थिति से गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष के अनुसार, जब चंद्र और गुरु एक-दूसरे से केंद्र (1, 4, 7, 10 स्थान) में होते हैं, तब यह अत्यंत शुभ योग बनता है। इस योग को धन, समृद्धि, सफलता और प्रतिष्ठा का कारक माना जाता है। खास तौर पर 3 राशियों के लिए यह समय बंपर कमाई और करियर ग्रोथ लेकर आ सकता है।

इन 3 राशियों की बदलेगी किस्मत

मेष राशि- मेष राशि वालों के लिए यह अक्षय तृतीया बेहद शुभ संकेत दे रही है। करियर में बड़ी सफलता के योग। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नई नौकरी मिलने की संभावना। नए प्रोजेक्ट या बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं। पुरानी बीमारी से राहत मिल सकती है। विदेश में नौकरी का सपना पूरा हो सकता है। कुल मिलाकर, यह समय तरक्की और सफलता से भरपूर रहेगा।

तुला राशि- तुला राशि पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा देखने को मिलेगी। धन और संसाधनों में वृद्धि। व्यापार में अच्छा मुनाफा। संपत्ति खरीदने की योजना बन सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बंपर कमाई के संकेत। यह समय आर्थिक उन्नति और स्थिरता का रहेगा।

धनु राशि- धनु राशि वालों, खासकर व्यापारियों के लिए यह समय बेहद लाभकारी है। आय के नए स्रोत बनेंगे। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। नई नौकरी या प्रमोशन के योग। विदेश यात्रा के संकेत। नया बिजनेस शुरू करने का अवसर। मकान या वाहन खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। यह समय विस्तार, निवेश और सफलता का है।

अक्षय तृतीया

क्या युद्ध और महंगाई परंपरा पर पड़ेंगे भारी!

युद्ध और आर्थिक अनिश्चितता के दौर में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव और महंगाई का असर आम लोगों की जेब पर साफ दिखाई दे रहा है। ऐसे समय में आ रही है अक्षय तृतीया, जिसे सोना खरीदने के लिए सबसे शुभ माना जाता है। क्या इस बार भी बाजार में पहले जैसी रौनक रहेगी? या फिर लोग खरीदारी में सावधानी बरतेंगे? -क्या निवेश के तौर पर सोने की मांग बढ़ेगी? इस बारे में जनमुख ने काशी के ज्वेलर्स से यह जानने की कोशिश की है कि 'क्या युद्ध के चलते बढ़ती महंगाई, परंपरा पर भारी पड़ेगी?'

कीमतों में गिरावट से खरीददारों का रुझान बढ़ा

हरे कृष्ण ज्वेलर्स के अधिष्ठाता **संतोष अग्रवाल** का मानना है कि सावधानी के साथ सोने-चांदी की डिमांड बनी हुई है। हालांकि खाड़ी में चल रहे युद्ध के माहौल के चलते कीमतों में अस्थिरता अवश्य है फिर भी अक्षय तृतीया, शादी सीजन और त्योहारों की वजह से खरीदारी बनी हुई हैं। यह अवश्य है कि ग्राहक अब छोटी ज्वेलरी या हल्के वजन की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। इस समय कीमतों में आई गिरावट के चलते 'इन्वेस्टमेंट और जरूरत' दोनों को ध्यान में रखकर लोग खरीददारी कर रहे हैं। खरीदारी हो रही है। मेरा मानना है कि आर्थिक और वैश्विक हालात का प्रभाव, युद्ध, महंगाई, डॉलर की मजबूती जैसी चीजें सोने को 'सेफ इन्वेस्टमेंट' बना देती हैं। इसलिए बड़े खरीदार (investors) एक्टिव रहते हैं। अक्षय तृतीया पर Lightweight, daily wear, diamond& customized jewellery की डिमांड काफी देखी जा रही है।

ग्राहकों को खरीददारी के लिए सुनहरा मौका

वीआरके ज्वेलर्स की अधिष्ठाता सी.ए. रश्मी केसरवानी का कहना है कि जंग के कारण पूरे विश्व में बहुत अस्थिरता है। गोल्ड-सिल्वर की कीमतें पहले जहां बहुत ऊपर चली गयीं थी, फिर नीचे चली आई हैं। सिल्वर 4 लाख के पार पहुंच गयी थी जबकि गोल्ड की अच्छी रिकवरी देखने को मिली। यह बहुत ही सुनहरा मौका है कि जिन्हें पर्सनल तौर पर गोल्ड का उपयोग वैवाहिक या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में करना है तो खरीदारी कर लें। गोल्ड फिर बहुत तेजी से ऊपर जाएगा। क्योंकि वह अपने रिर्जव्स को बढ़ाने लगते हैं। शेयर मार्केट से गोल्ड में इन्वेस्ट करेंगे। इससे गोल्ड की कीमत बहुत ऊपर जाएगी। इसलिए किसी भी सेनेरियों में इस मौके का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठायें।

अक्षय तृतीया की खरीददारी पर नहीं पड़ेगा कोई असर

सुमंगल ज्वैलर्स के अधिष्ठाता नमन लोहिया का कहना है कि खाड़ी देशों में युद्ध और बिगड़ते वैश्विक हालात से मुझे नहीं लगता कि अक्षय तृतीया पर इस बार सोने-चांदी के खरीदारी में कोई असर पड़ेगा। क्योंकि इस बार लोगों की उम्मीद के विपरीत सोने और चांदी की कीमते नीचे आई हैं। जिसके चलते लोगों में ज्वेलरी की खरीददारी की ओर काफी रूझान बढ़ा है। वैसे भी सोना एक सेफ हैवन माना जाता है। वैसे भी खरीदारी के लिए यह बहुत ही सुनहरा अवसर है क्योंकि युद्ध के दौरान सोने की कीमते नीचे आई हैं। जिससे सोना-चांदी और फेवरेवल हुआ है। सबसे यही आग्रह करते हैं कि अक्षय तृतीया के अवसर पर पारंपरिक रुप से खरीददारी करें। क्योंकि गोल्ड हमारे हमारे धर्म से जुड़ा है, परंपराओं से जुड़ा है। इसलिए इस अवसर पर खरीददारी करें और आफर्स का लाभ उठायें।

युद्ध की परेशानियों पर परंपरा की होगी जीत

स्वर्णाव्या ज्वेलर्स महमूरगंज के अधिष्ठाता सुमित वर्मा कहते हैं कि यह जो युद्ध चल रहा है इसका असर आगामी त्योहारों पर तो पड़ेगा ही क्योंकि महंगाई की दर में बढ़ोत्तरी होने की वजह से आम नागरिक को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। सोने, चांदी के भाव का उतार-चढ़ाव होना नागरिकों की डिमाण्ड को घटाता है। जिससे व्यापारी वर्ग और दुकानदार दोनों पर ही प्रभाव पड़ता है। लेकिन हाल के दिनों में सोने, चांदी की कीमतों में गिरावट के चलते अक्षय तृतीया पर खरीददारी बढ़ने की उम्मीद है। क्योंकि परेशानियों में भी हम धार्मिक परंपराएं निभाते ही हैं वहीं निवेश के लिए वर्तमान समय बहुत बेहतर है। इस समय सोने- चांदी में निवेश कर हम अपना भविष्य सुरक्षित कर सकत हैं तो अक्षय तृतीया के इस अवसर पर आइए और अवश्य खरीदारी कीजिए।

अक्षय तृतीया पर जमकर होगी खरीददारी

कन्हैयालाल ज्वेलर्स, गोदौलिया के मैनेजर शिव कुमार का कहना है कि दुनिया में कभी भी जब दो या दो से अधिक देशों के बीच युद्ध होता है तो उसका प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ता है। वर्तमान में जारी अमेरिका, इजराइल और ईरान युद्ध के चलते एलपीजी सप्लाई चेन पूरी तरह प्रभावित है। इसका प्रभाव हर मुल्क पर पड़ रहा है। युद्ध के बाद ज्वेलरी के दाम बढ़ने की आशंका थी वह नहीं बढ़े बल्कि वह कम से कम 10 से 15 प्रतिशत पीछे आ गए। इन कारणों से मेरा अनुमान है कि तत्कालिक स्थिति से अक्षय-तृतीया पर सोने-चांदी की खरीदारी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बल्कि कीमतों में आई गिरवट के चलते ग्राहक और ज्यादा बाजार का रुख करेंगे और इस बार खरीददारी का नया रिकार्ड बनेगा।

पारंपरिक खरीददारी का बना रहेगा उत्साह

ज्वेलरी पैलेस के अधिष्ठाता नरसिंह अग्रवाल ने बताया कि बढ़ती महंगाई और खाड़ी देश में युद्ध की वजह से सोने के दाम ऊंचे हैं जिससे ग्राहक भले ही भारी खरीददारी न करें लेकिन हल्के आभूषण या छोटे निवेश की ओर झुकाव बना हुआ है। अक्षय-तृतीया के अवसर पर इस बार बाजार की स्थिति मिश्रित रहने की संभावना है। पारंपरिक खरीददारी का पर्व होने की वजह से ग्राहकों में उत्साह तो बना ही रहेगा। नरसिंह अग्रवाल ने बताया कि हमारे यहां गोल्ड ज्वेलरी पर एक लाख की खरीददारी पर 0.025 ग्राम का गोल्ड क्वाइन और दो लाख की खरीददारी पर 0.050 ग्राम का गोल्ड क्वाइन फ्री दिया जाएगा। सिल्वर ज्वेलरी पर एक लाख की खरीदारी पर 5 ग्राम का सिल्वर क्वाइन और दो लाख पर 10 ग्राम का सिल्वर क्वाइन फ्री मिलेगा। ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज बिल्कुल फ्री रखा गया है।

वैश्विक संकट से प्रभावित नहीं होगी अक्षय तृतीया की खरीददारी

नारायणदास की अधिष्ठाता **सिल्की अग्रवाल** का कहना है कि 'अक्षय-तृतीया' बनारस का बड़ा त्योहार है। इसे लोग भाव से नहीं भावनाओं से जोड़ते हैं। हर वर्ष अक्षय तृतीया पर भाव बढ़ा ही रहता है कभी कम नहीं होता है लेकिन खरीददारी बढ़-चढ़ कर होती है। लेकिन इस बार तो कीमते नीचे आई हैं। हमेशा से अक्षय-तृतीया के दिन सोना की खरीदारी ज्यादा होती है। आज कस्टमर्स काफी समझदार हो गये हैं। सोना सिर्फ इनवेस्टमेंट के लिए नहीं लिया जाता बल्कि लोग सोने क्वांटिटी की बजाय क्वालिटी से जोड़कर खरीद रहे हैं। अब लोगों को क्वालिटी चाहिए, वैरायटी चाहिए, मेकिंग अच्छी चाहिए। वैश्विक संकट का असर थोड़ा पड़ता है लेकिन कस्टमर अक्षय तृतीया पर कम नहीं होते ।

इस बार बाजार में रौनक कम है

एसके स्वर्णकला के अधिष्ठाता **प्रिंस वर्मा** का कहना है कि खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध का असर इस बार अक्षय तृतीया के खरीददारी पर देखने को मिल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने-चाँदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव से ग्राहकों की सोच प्रभावित होगी। फिर भी परंपरा और शुभ मान्यता के चलते लोग सीमित बजट में खरीददारी जरूर करेंगे। अक्षय तृतीया का महत्व बरकरार रहेगा, लेकिन बाजार में रौनक थोड़ी कम हो सकती है।

गुप्त दान

दूर होंगी आर्थिक बाधाएं और बढ़ेगा धन-लाभ

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को आने वाला यह दिन सनातन धर्म में अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। इस दिन किए गए पूजा-पाठ और दान का फल अक्षय (कभी समाप्त न होने वाला) माना जाता है।

क्यों खास है अक्षय तृतीया?

अक्षय तृतीया के इस पावन दिन माता लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। इसे अबूझ मुहूर्त कहा जाता है, कोई भी शुभ कार्य बिना मुहूर्त देखे किया जा सकता है। धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है अक्षय तृतीया। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन गुप्त दान करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं।

ये गुप्त दान करें

चने की दाल का दान। अक्षय तृतीया पर चने की दाल का दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। इससे गुरु ग्रह मजबूत होता है और जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है।

जल का दान

इस दिन प्यासे को पानी पिलाना या मंदिर में मिट्टी का घड़ा दान करना पुण्यदायी होता है। इससे अशुभ ग्रहों का प्रभाव कम होता है और घर में बरकत आती है।

छाता और चप्पल का दान

जरूरतमंदों को छाता या चप्पल दान करना विशेष फलदायी माना गया है। इससे राहु-केतु के दोष शांत होते हैं और अचानक आने वाली समस्याएं टलती हैं।

पंखा और मिट्टी के बर्तन

गर्मी के मौसम में हाथ से चलने वाले पंखे या मिट्टी के बर्तन दान करना शुभ होता है। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और करियर व व्यापार में सफलता मिलती है।

सत्तू और गुड़ का दान

सत्तू और गुड़ का गुप्त दान करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। इससे धन संबंधी बाधाएं दूर होती हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

दान करते समय रखें इन बातों का ध्यान

दान हमेशा गुप्त रूप से करें (बिना दिखावे के) मन में निस्वार्थ भाव रखें। प्रसन्न मन से दान करें। तामसिक वस्तुओं का दान न करें। अक्षय तृतीया का दिन दान और पुण्य कर्मों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

इस दिन सही विधि और श्रद्धा से किया गया गुप्त दान जीवन में धन, सुख और समृद्धि लेकर आता है। यदि आप आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो इस अक्षय तृतीया पर इन उपायों को जरूर अपनाएं।

अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया या आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। वैसे तो सभी बारह महीनों की शुक्ल पक्षीय तृतीया शुभ होती है, किन्तु वैशाख माह की तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्तों में मानी गई है। अक्षय तृतीया का सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में भी विशेष महत्त्व है। मान्यता है कि इस दिन बिना कोई पंचांग देखे कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह-प्रवेश, वस्त्र-आभूषणों की खरीददारी या घर, भूखण्ड, वाहन आदि की खरीददारी से सम्बन्धित कार्य किए जा सकते हैं। नवीन वस्त्र, आभूषण आदि धारण करने और नई संस्था, समाज आदि की स्थापना या उदघाटन का कार्य श्रेष्ठ माना जाता है। पुराणों में लिखा है कि इस दिन पितरों को किया गया तर्पण तथा पिन्डदान अथवा किसी और प्रकार का दान, अक्षय फल प्रदान करता है। इस दिन गंगा स्नान करने से तथा भगवत पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यहाँ तक कि इस दिन किया गया जप, तप, हवन, स्वाध्याय और दान भी अक्षय हो जाता है। यह तिथि यदि सोमवार तथा रोहिणी नक्षत्र के दिन आए तो इस दिन किए गए दान, जप-तप का फल बहुत अधिक बढ़ जाता हैं। इसके अतिरिक्त यदि यह तृतीया मध्याह्न से पहले शुरू होकर प्रदोष काल तक रहे तो बहुत ही श्रेष्ठ मानी जाती है। यह भी माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किए गए जाने-अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सदगुण प्रदान करते हैं, अतः आज के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिए अर्पित कर उनसे सदगुणों का वरदान माँगने की परम्परा भी है।

हिन्दू धर्म में महत्त्व- अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर समुद्र व गङ्गा स्नान करके और शान्त चित्त होकर, भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा करने का प्रावधान है। नैवेद्य में जौ व गेहूँ का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पित किया जाता है। तत्पश्चात फल, फूल, पात्र, तथा वस्त्र आदि दान करके ब्राह्मणों को दक्षिणा दी जाती है। ब्राह्मण को भोजन करवाना कल्याणकारी समझा जाता है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए तथा नए वस्त्र और आभूषण पहनने चाहिए। गौ, भूमि, स्वर्ण पात्र इत्यादि का दान भी इस दिन किया जाता है। यह तिथि वसन्त ऋतु के अन्त और ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ का दिन भी है इसलिए अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घड़े, कुल्हड, सकोरे, पंखे, खडाऊँ, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूजा, ककड़ी, शक्कर, साग, इमली, सत्तू आदि गर्मी में लाभकारी वस्तुओं का दान पुण्यकारी माना गया है। इस दान के पीछे यह लोक विश्वास है कि इस दिन जिन-जिन वस्तुओं का दान किया जाएगा, वे समस्त वस्तुएँ स्वर्ग व अगले जन्म में प्राप्त होगी। इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा श्वेत कमल अथवा श्वेत पाटल (गुलाब) व पीले पाटल से करनी चाहिये। इस दिन किया गया आचरण और सत्कर्म अक्षय रहता है। भविष्य पुराण के अनुसार इस तिथि की युगादि तिथियों में गणना होती है, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ है। भगवान विष्णु का नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव भी इसी दिन हुआ था। इस दिन श्री बद्रीनाथ जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है और श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन किए जाते हैं। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं।

अक्षय तृतीया को ही हुआ भगवान परशुराम का जन्म

जानें कैसे करें इस दिन उनकी पूजा

परशुराम जयंती भगवान विष्णु के छठे अवतार को समर्पित है। इस दिन परशुराम भगवान की पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन परशुरामजी के भक्त उनकी पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। भगवान परशुरामजी से सुख समृद्धि की कामना भी करते हैं। वैसे तो परशुराम जी का जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ था। लेकिन, धर्म की रक्षा करने के लिए उन्होंने शस्त्र उठाएं थे, इसलिए धर्म से ब्राह्मण और कर्म से क्षत्रिय भी माने जाते हैं और इस संदर्भ में इनके जन्म की एक रोचक कथा भी है। आइए जानते हैं परशुराम जयंती कब मनाई जाएगी। साथ ही जाने परशुराम जयंती पूजा विधि।

परशुराम जयंती वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है इसी दिन अक्षय तृतीया भी मनाने की परंपरा रही है। पंचांग की गणना के अनुसार, 19 अप्रैल रविवार के दिन सुबह में 10 बजकर 50 मिनट पर तृतीया तिथि का आरंभ होगा और 20 अप्रैल को सोमवार के दिन सुबह में 7 बजकर 28 मिनट पर तृतीया तिथि समाप्त हो जाएगी। 19 अप्रैल को तृतीया तिथि सुबह, दोपहर और शाम तीनों समय व्याप्त हो रही है। ऐसे में अक्षय तृतीया तिथि 19 तारीख को तीनों समय रहने के कारण परशुराम जयंती का पर्व 19 अप्रैल को ही मनाया जाएगा।

वैसे शास्त्रों का मत है कि, भगवान परशुरामजी का जन्म वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि में प्रदोष काल में हुआ था। इसलिए जिस दिन प्रदोष काल में वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि व्याप्त हो उसी दिन परशुराम जंयती मानई जानी चाहिए। - वैशाख सिते पक्षे तृतीयां पुनर्वसौ। निशायाः प्रथमयामे समाख्याः समये हरिः।। इसी नियम के अनुसार इस साल 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन ही परशुराम जयंती मानाने का विधान बन रहा है।

परशुराम जयंती पूजा विधि

-इस दिन सुबह जल्दी उठकर पूजा करने का संकल्प लें।

-इसके बाद घर या मंदिर में भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र को स्थापित करें।

-इसके बाद सबसे पहले परशुराम जी को तिलक लगाएं।

-अब अक्षत, फूल, और तुलसी अर्पित करें।

-अब परशुराम जी के मंत्रों का जप करें या भगवान विष्णु की स्तुति करें।

-अंत में परशुराम भगवान की आरती करें।

-इस दिन अक्षय तृतीया भी है तो जरुरतमंद लोगों को दान पुण्य भी करें तो आपको अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी।

भगवान परशुराम को परशु किसने दिया था?

परशुराम जी ऋषि जमगग्नि के पुत्र हैं। उनके पुत्र होने के कारण ही उनका नाम जामदग्न्य भी है। वह भगवान शिव के शिष्य और उनके परम भक्त भी थे। परशुराम जी की योग्यता और भक्ति से प्रसन्न होकर ही भगवान शिव ने उन्हें विद्युदभि नाम का परशु दिया था। वह हमेशा ही अपने साथ परशु को रखा करते थे। इसलिए उनका नाम परशुराम के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

अक्षय तृतीया पर क्या है खास ऑफर?

कन्हैया लाल सर्राफ में ज्वेलरी मेकिंग पर विशेष छूट

दूसो कन्हैया लाल सर्राफ प्रतिष्ठान में अक्षय- तृतीया पर प्री-बुकिंग आफर की सुविधा के साथ ही सोने के जेवर बनवाई पर 50% तथा हीरे पर 100% की छूट की व्यवस्था है। यह जानकारी प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता अभय अग्रवाल ने देते हुए बताया कि सोने के बढ़े भाव को देखते हुए 22 कैरेट के साथ 18 कैरेट की विस्तृत रेंज शुरू की है। अधिष्ठाता ने बताया कि हमारे यहां कन्हैया लाल में हॉलमार्क गहनों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। ग्राहक हमारे यहां उपलब्ध ऑफर का गोदौलिया और सिगरा स्थित दोनों शॉप पर लाभ उठा सकते हैं।

अक्षय तृतीया पर हरेकृष्ण ज्वेलर्स में खास ऑफर

हरे कृष्ण ज्वेलर्स के अधिष्ठाता चेतन अग्रवाल के अनुसार इस बार अक्षय तृतीया पर हरे कृष्ण ज्वेलर्स की ओर से 21 सौ रुपए की छूट प्रति दस ग्राम की खरीददारी पर और डायमंड पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यह ऑफर हरे कृष्ण ज्वलर्स की सभी दुकानों पर उपलब्ध है। ग्राहक अक्षय तृतीया पर आएं और इस छूट का लाभ उठाएं। चेतन अग्रवाल ने बताया कि इसके साथ ही अक्षय तृतीया पर चांदमारी में हमारी नई शाखा का उद्घाटन भी होने जा रहा है।

सुमंगल ज्वैलर्स में मेकिंग पर छूट

सुमंगल ज्वैलर्स के अधिष्ठाता **नमन लोहिया** के अनुसार अक्षय तृतीया पर हमारे यहां गोल्ड-सिल्वर पर 3 से 8% तक के मेकिंग चार्ज पर उपलब्ध हैं। इस तरह बहुत ही कम मेकिंग चार्ज पर हालमार्क ज्वेलरी हर कैटेगरी में मिलेगी। 18 कैरेट, 22 कैरेट सारे वर्ग में व सारे वेटेज में उपलब्ध हैं। आधे ग्राम से 150 ग्राम तक में भी। हमारे यहां भरपूर वेरायटी मिलेगी। तो यह बहुत ही अच्छा खरीददारी का अवसर है। सोना-चांदी के रेट कम से कम 20 से 25% की गिरावट आयी है। वैसे भी साल के अंत में हम सोने को वापस 1.80 से 1.85 लाख के लेबल में जाते देखेंगे। अतः यह बहुत ही अच्छा मौका है कि सोना-चांदी की खरीददारी का।

नारायण दास सर्राफ में मेकिंग पर छूट के संग उपहार भी

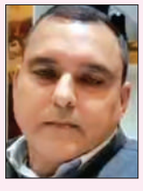

नारायण दास सर्राफ एण्ड संस के शो मैनेजर अजय अरोड़ा के अनुसार युद्ध का अक्षय तृतीया पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। **नारायण दास सर्राफ** में इस पर्व पर चुनिंदा जेवरों पर 5% से 8% तक मेकिंग ली जा रही है। शोरूम में टेम्पल ज्वेलरी पर डिमीनिटी लाइट कलेक्शन आये हुए है। जिनकी खरीदारी आप हमारे भेलूपुर, पाण्डेयपुर, अर्दलीबाजार व चितईपुर की शाखा से कर सकते हैं। मात्र 10% देकर एडवांस बुकिंग करा सकते हैं अक्षय तृतीया तक। आप आये आपका बहुत-बहुत स्वागत है और साथ ही अक्षय-तृतीया की आपको शुभकामना। अक्षय-तृतीया पर ग्राहकों को शुभ का प्रतीक माने जाने वाला 'अक्षत रजत कलश' का एक सुनिश्चित उपहार स्वरूप प्रदान भी किया जा रहा है।

स्वर्णाव्या की पहले वर्षगांठ पर मेकिंग चार्ज में छूट

स्वर्णाव्या ज्वेलर्स महमूरगंज के अधिष्ठाता **सुमित वर्मा** के अनुसार आप इस अक्षय तृतीया पर आराम से सोने की खरीददारी करें, यह निवेश का सर्वोत्तम माध्यम है। आगामी त्योहार अक्षय तृतीया पर और हमारे शोरूम के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गोल्ड मेकिंग चार्ज 3% पर ज्वेलरी उपलब्ध है और सिल्वर के मेकिंग पर 50% तक की छूट दी जा रही है।

सहायता ज्वेलर्स में अग्रिम बुकिंग की भी सुविधा

सहायता ज्वेलर्स, गिलट बाजार के मैनेजर **सुनील राजपूत** का कहना है कि अक्षय तृतीया के इस पर्व पर खाड़ी युद्ध की मार तो निश्चित पड़ रही है। कीमतों में लगातार अस्थिरता बनी हुई है। लेकिन भारतीय ग्राहक परंपरा को निभाने में हमेशा आगे रहते हैं। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि अक्षय तृतीया पर लोग जमकर खरीददारी करेंगे। वैसे भी आने वाले समय में सोने के भाव और बढ़ने की ही उम्मीद है। जिसे देखते हुए अक्षय तृतीया के ग्राहकों को अग्रिम बुकिंग की सुविधा दी जा रही है। साथ कुछ सलेक्टेड गहनों पर 100 प्रतिशत तक मेकिंग चार्ज में छूट भी दी जा रही है।

अक्षय तृतीया पर वीआरके ज्वेल्स में ढेरों ऑफर

लहुराबीर स्थित वीआरके ज्वेल्स अक्षय तृतीया पर ढेरों ऑफर लेकर आया है। शॉप की अधिष्ठाता सीएम रश्मि केसरवानी के अनुसार अक्षय तृतीया पर 75 हजार की खरीद पर 0.1 ग्राम सोने का सिक्का, 10 ग्राम सोने की खरीद पर 10 ग्राम चांदी का सिक्का ग्राहकों को दिया जाएगा। इसके साथ ही 20 प्रतिशत धनराशि जमा करके आप ज्वेलरी की प्री बुकिंग भी कर सकते है।

सही रेट सही क्वालिटी की है गारंटी

नारायणदास दुर्गाकुण्ड की अधिष्ठाता सिल्की अग्रवाल का कहना है कि नारायणदास में आल ओवर इंडिया से हर स्टेट की स्पेशयलिटी एक ही छत के नीचे हम उपलब्ध कराते हैं। हर तरह की ज्वेलरी सही रेट पर आपको हमारे यहां एक ही जगह मिल जाएगी। बिल्कुल सही क्वालिटी रहेगी। हमारी आठवीं शाखा का 'रथयात्रा' पर 'अक्षय-तृतीया' के दिन ओपनिंग हो रही है।

अक्षय तृतीया पर पड़ रहा है खाड़ी युद्ध का प्रभाव

AISSHPRA जेम्स एंड ज्वेल्स के फ्लोर मैनेजर रविशंकर चौबे का कहना है कि हिन्दू धर्म में अक्षय तृतीया ज्वेलरी के दृष्टिकोण से खरीदारी का बड़ा त्योहार है। इस दिन गोल्ड-ज्वेलरी की खरीदारी शुभ मानी जाती है। हमारे यहाँ 40% gold एवं 100% Diamond के मेकिंग चार्ज पर छूट दी जा रही है। युद्ध (war) के कारण रेट इम्पेक्ट हो रहा है। वार (war) अक्षय तृतीया को हिट (Hit) नहीं कर पा रही है। किन्तु कस्टमर अब खरीदारी करना शुरू कर रहे है। पूरी उम्मीद है कि अक्षय तृतीया पर ग्राहकों में उत्साह देखने को मिलेगा।

S.K स्वर्ण कला में अक्षय तृतीया पर आकर्षक ऑफर

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित ज्वेलरी प्रतिष्ठान S.K स्वर्णकला अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर लेकर आये है। इस शुभ मौके पर ग्राहक अपने पुराने सोने-चाँदी के आभूषणों को लाकर आसानी से नए और लेटेस्ट डिजाइन के आभूषणों से बदल सकते है। प्रतिष्ठान द्वारा दी जा रही इस खास सुविधा के ग्राहकों को 3.5% से लेकर 7% तक के कम मेकिंग चार्ज पर नए आभूषण उपलब्ध कराए जा रहे है जिससे खरीदारी और भी किफायती बन पाती है।

रागी मेकअप स्टूडियो

वाराणसी में सौंदर्य का नया पता

रीता रस्तोगी

क्या आप अपने खास दिन के लिए एक परफेक्ट ब्राइडल लुक चाहती हैं? या फिर पार्टी और इवेंट के लिए एक फ्लॉलेस मेकअप? तो फिर आपको वाराणसी के 'रागी मेकअप स्टूडियो' में जरूर जाना चाहिए। रवींद्रपुरी कॉलोनी की गली नंबर 14 में साधुबेला अपार्टमेंट के सामने स्थित, 'रागी मेकअप स्टूडियो' एक ही छत के नीचे आपकी सभी सौंदर्य संबंधी ज़रूरतों को पूरा करता है। इसकी संस्थापक और मुख्य मेकअप आर्टिस्ट गीता रस्तोगी पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं और उन्हें ब्राइडल और पार्टी मेकअप का गहरा अनुभव है।

रागी मेकअप स्टूडियो पूरी तरह से वातानुकूलित है। यहां आपको मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं:

एक्सपर्ट मेकअप: गीता रस्तोगी और उनकी टीम आपको हर अवसर के लिए एक परफेक्ट लुक प्रदान करेगी।

हेयर स्टाइलिंग: अनुभवी हेयर स्टाइलिस्ट आपकी पसंद और चेहरे के आकार के अनुसार नए और ट्रेंडी हेयर स्टाइल बनाएंगे।

स्किन केयर: फेशियल, क्लीन-अप और अन्य स्किन केयर ट्रीटमेंट के लिए यहां आधुनिक मशीनों और प्रीमियम उत्पादों का उपयोग किया जाता है।

नेल आर्ट: खूबसूरत और ट्रेंडी नेल आर्ट डिज़ाइन के साथ अपने हाथों को और भी आकर्षक बनाएं।

प्री-ब्राइडल पैकेज: दुल्हन बनने वाली लड़कियों के लिए विशेष प्री-ब्राइडल पैकेज उपलब्ध हैं, जिनमें स्किन केयर, हेयर केयर और मेकअप शामिल हैं।

आकर्षक माहौल और उत्कृष्ट सेवाएं

स्टूडियो का माहौल बहुत ही शांतिपूर्ण और आरामदायक है, जहां आप अपनी सभी चिंताओं को भूलकर केवल सौंदर्य पर ध्यान दे सकती हैं। यहां आपको निम्नलिखित अतिरिक्त सेवाएं भी मिलेंगी:

फ्री वाई-फाई: स्टूडियो में प्रतीक्षा करते समय आप फ्री वाई-फाई का आनंद ले सकती हैं।

प्रतीक्षा क्षेत्र: मेहमानों के बैठने के लिए एक आरामदायक और सुंदर प्रतीक्षा क्षेत्र है।

पार्किंग: स्टूडियो के पास पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध है।

एक पूर्ण सौंदर्य अनुभव: रागी मेकअप स्टूडियो केवल एक मेकअप स्टूडियो नहीं है, बल्कि एक ऐसा स्थान है जहां आप अपने सौंदर्य को नए आयाम दे सकती हैं। यहां आपको न केवल बेहतरीन सेवाएं मिलेंगी, बल्कि एक ऐसा अनुभव भी मिलेगा जो आपको हमेशा याद रहेगा।

वेबसाइट: www.rageemakeup.com

सोशल मीडिया: @rageemakeupartistry

सोना-चांदी नहीं खरीद पा रहे? ये चीजें दिलएंगी अक्षय पुण्य फल

अक्षय तृतीया का पर्व अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान-पुण्य और खरीदारी का फल कभी समाप्त नहीं होता। यही कारण है कि लोग इस दिन विशेष रूप से सोना-चांदी खरीदने को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, हर व्यक्ति के लिए सोना-चांदी खरीदना संभव नहीं होता। ऐसे में ज्योतिष शास्त्र में कुछ वैकल्पिक वस्तुओं का उल्लेख मिलता है, जिन्हें खरीदने से भी अक्षय फल की प्राप्ति होती है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं।

पीली कौड़ियां: लक्ष्मी कृपा का प्रतीक

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार कौड़ियों को माता लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। अक्षय तृतीया के दिन 5 या 11 पीली कौड़ियां खरीदकर उनका केसर और हल्दी से विधिवत पूजन करें। इसके बाद इन्हें अपनी तिजोरी या धन स्थान पर रखें। ऐसा करने से आर्थिक बाधाएं दूर होती हैं और कारियर में स्थिरता आती है।

मिट्टी का घड़ा: मानसिक शांति और स्थिरता

इस दिन मिट्टी का नया घड़ा खरीदना भी शुभ माना गया है। ज्योतिष के अनुसार मिट्टी का संबंध मंगल और बुध ग्रह से होता है। घड़े में जल भरकर घर में रखने या दान करने से मानसिक शांति मिलती है और कार्यक्षेत्र में एकाग्रता बढ़ती है।

चने की दाल और अक्षत: आय के नए मार्ग

सोना बृहस्पति ग्रह का कारक माना जाता है, और चने की दाल भी गुरु ग्रह से जुड़ी होती है। ऐसे में यदि सोना खरीदना संभव न हो, तो चने की दाल और साबुत चावल (अक्षत) घर लाना शुभ होता है। यह उपाय आर्थिक स्थिति को मजबूत करता है और आय के नए स्रोत खोलता है।

कलम और डायरी: करियर में नई उड़ान

मीडिया, शिक्षा, लेखन या डिजिटल क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए अक्षय तृतीया पर नई कलम या डायरी खरीदना विशेष लाभकारी माना गया है। इसे अपने कार्यस्थल पर रखने से बुध ग्रह मजबूत होता है, जिससे निर्णय लेने की क्षमता और रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

Chetmani

Adding Colors to Tradition !

शगुन का सोना

सर्वश्रेष्ठ गहनों के संग

चेतमणि जेम्स एंड ज्वेल्स परिवार की ओर से

अक्षय तृतीया

की मंगल शुभकामनाएं!

लहुराबीर | रथयात्रा | रविंद्रपुरी - वाराणसी +9191707 06777